RAN-2201000106020331

RAN-2201000106020331

T.Y.B.A. (Sem. VI) Examination October - 2023

Hindi : Paper 17 : रीतिकालीन कविता – बिहारी सतसई सार

સૂચના : / Instructions

(૧) નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the details of ☛ signs on your answer book

Name of the Examination:

☛ **T.Y.B.A. (Sem. VI)**

Name of the Subject :

☛ **Hindi : Paper 17 : रीतिकालीन कविता – बिहारी सतसई सार**

Subject Code No.: **2201000106020331**

Seat No.:

Student's Signature

(2) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाये गये हैं।

प्र–1. निम्नलिखित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **10**

1) सतसैया के दोहरे, ज्यों नावक के तीर। देखत में छोटे लगैं, ... करत गंभीर।।
– रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।
(A) घात (B) चोट
(C) घाव (D) भाव

2) बिहारी की वार्षिक वृत्ति किस राजा ने बाँधी थी?
(A) राजा जयसिंह (B) खुर्रम
(C) जहाँगीर (D) शाहजहाँ

3) वियोग के कितने प्रकार हैं?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) सात

4) रीतिकाल का प्रारंभ आचार्य रामचंद्र शुक्ल कब से मानते हैं?
(A) संवत् 1050 (B) संवत् 1375
(C) संवत् 1700 (D) संवत् 1900

5) बिहारी के दीक्षागुरु कौन थे?
(A) नरहरिदास (B) केशवदास
(C) तुलसीदास (D) सूरदास

प्र–2 हिंदी सतसई परंपरा में 'बिहारी सतसई' का स्थान निर्धारित कीजिए। **13**

अथवा

प्र–2 एक सफल मुक्तककार के रूप में बिहारी का मूल्यांकन कीजिए। **13**

प्र–3 'बिहारी सतसई' के आधार पर बिहारी के विविध शास्त्र विषयक ज्ञान को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **13**

अथवा

प्र–3 'बिहारी सतसई' में चित्रित प्रकृति को अपने शब्दों में लिखिए। **13**

प्र–4 (अ) टिप्पणी लिखिए। **14**

बिहारी का साहित्यिक परिचय

अथवा

बिहारी की भाषागत विशेषताएँ

(ब) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

भजन कह्यौ तातें भज्यौ, भज्यौ न एकौ बार।
दूरि भजन जातैं कह्यौ, सौ तै भज्यौ गँवार।।

अथवा

लोपे कोपे इन्द्र लौं, रोपे प्रलय अकाल।
गिरधारी राखै सबै, गो गोपी गोपाल।।